# उत्तर प्रदेश बी.टी.सी. परीक्षा प्रश्न-पत्र

## प्रथम वर्ष—प्रथम सेमेस्टर, 2017

## प्रथम प्रश्न-पत्र : बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया

समय : 2 घण्टा ] [ पूर्णांक : 50

निर्देश—(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सम्मुख दिये गये हैं।

(2) इस प्रश्न-पत्र में तीन प्रकार के प्रश्न हैं। (बहुविकल्पीय, अति लघु तथा लघु उत्तरीय) प्रश्न हैं। बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में, लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में लिखिए।

### बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बाल विकास की अवस्थाएँ होती हैं— 1

(क) 2 (ख) 3

(ग) 4 (घ) 5

2. बाल-मनोविज्ञान का सर्वाधिक महत्व है— 1

(क) बाल विकास की दृष्टि से

(ख) बाल शिक्षा की दृष्टि से

(ग) बाल विकास एवं शिक्षा की दृष्टि से

(घ) बाल समायोजन की दृष्टि से

3. "किशोरावस्था बड़े बल, तनाव, तूफान तथा विरोध की अवस्था है।" यह कथन है— 1

(क) किलपैट्रिक (ख) स्टैनले हॉल

(ग) टी. पी. नन (घ) वाटसन

4. प्रयास तथा त्रुटि सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं— 1

(क) सी. एल. हल (ख) पावलव

(ग) थार्नडाइक (घ) वुडवर्थ

5. केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापक नहीं है— 1

(क) मध्यमान (ख) मध्यांक

(ग) प्रसार (घ) बहुलक

6. किशोरावस्था की विशेषताओं को सर्वोत्तम रूप से व्यक्त करने वाला एक शब्द है— 1

(क) विकास (ख) परिवर्तन

(ग) समायोजन (घ) अस्थिरता

7. बाल-विकास को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है— 1

(क) पोषण (ख) लिंग-भेद

(ग) संस्कृति (घ) तनाव

8. अभ्यास और अनुभव के द्वारा व्यवहार में होने वाला परिवर्तन कहलाता है— 1

(क) अवधान (ख) प्रेरणा

(ग) प्रतिकार (घ) अधिगम

9. पदों के योग में पदों की संख्या से भाग देने पर जो प्राप्त होता है, कहलाता है—1

(क) प्रसरण (ख) माध्यिका

(ग) बहुलक (घ) माध्य

10. बालकों में स्वतन्त्रता की आकांक्षा किस अवस्था में प्रबल हो जाती है— 1

(क) किशोरावस्था (ख) शैशवावस्था

(ग) बाल्यावस्था (घ) प्रौढ़ावस्था

11. "जिन तथ्यों को भूतकाल में सीखा जा चुका है, उन्हें स्मरण करना ही स्मृति है।" यह कथन है— 1

(क) रॉस का (ख) वुडवर्थ का

(ग) गायवर्न का (घ) स्किनर का

12. सी. ए. टी. परीक्षण किस आयु के बच्चों के व्यक्तित्व का मूल्यांकन करने हेतु प्रयुक्त होता है— 1

(क) 01 से 05 वर्ष (ख) 03 से 11 वर्ष

(ग) 11 से 13 वर्ष (घ) 11 से 15 वर्ष

13. संवेग का प्रकार नहीं है— 1

(क) क्रोध (ख) भय

(ग) ध्यान (घ) प्रेम

14. प्रतिभाशाली बालक की बुद्धिलब्धि होती है— 1

(क) 80 से 90 (ख) 110 से 120

(ग) 140 से अधिक (घ) 100 से 120

15. पियाजे के अनुसार बालक के संज्ञानात्मक विकास की स्थितियाँ हैं— 1

(क) दो (ख) चार

(ग) छः (घ) तीन

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

16. बुद्धि-लब्धि निकालने का सूत्र क्या है ? 1
17. सृजनात्मकता से क्या आशय है ? 1
18. व्यक्तित्व की एक परिभाषा लिखिए। 1
19. 'रोर्शा परीक्षण' विधि को किस मनोवैज्ञानिक ने आरम्भ किया था ? 1
20. 'मध्यमान' का उपयोग कब किया जाता है ? 1
21. मध्यांक की कोई एक परिभाषा लिखिए। 1
22. सीखने के वक्र. में 'सीखने में उन्नति होना' किस रूप में प्रदर्शित की जाती है ? 1
23. बालक की वृद्धि कब रुक जाती है ? 1
24. टी. ए. टी. का सम्बन्ध किससे है ? 1
25. स्मृति का मुख्य कार्य क्या है ? 1
26. सक्रिय विस्मृति से क्या आशय है ? 1
27. अभिप्रेरणा का क्या अर्थ है ? 1
28. 'हल' के अनुसार सीखने की प्रक्रिया का आधार क्या है ? 1
29. 'सीखने की कोई एक परिभाषा लिखिए। 1
30. बच्चों के भाषा ज्ञान में अवरोधक दो कारण लिखिए। 1

## लघु उत्तरीय प्रश्न

31. बाल विकास की आवश्यकता पर संक्षिप्त लेख लिखिए। 2
32. बाल्यावस्था में संवेगात्मक विकास कैसे होता है ? 2
33. बच्चों में सृजनात्मक क्षमता का विकास कैसे किया जा सकता है ? 2
34. बहिर्मुखी व्यक्तित्व की क्या विशेषताएँ हैं ? 2
35. बच्चों में कल्पना शक्ति का विकास किस प्रकार किया जा सकता है ? 2
36. बाल विकास पर वंशानुक्रम का क्या प्रभाव पड़ता है ? 2
37. अनुकरण द्वारा सीखने कसे क्या आशय है ? 2
38. कोहलर के सूझ या अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त की विशेषताएँ लिखिए। 2
39. सीखने में पठार के क्य: कारण है संक्षेप में लिखिए। 2
40. स्मृति के प्रभावी कास्कों का उल्लेख कीजिए। 2